

## भारत - होली सी संबंध

भारत की आजादी के शीघ्र बाद भारत और होली सी के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए। बर्ने, स्विटजरलैंड में भारत के राजदूत को परंपरागत रूप से होली सी का कार्यभार सौंपा गया है, जिसका नई दिल्ली में एक दूतावास है जिसके इस समय मुखिया एक राजदूत हैं।

एशिया के अंतर्गत भारत ने कैथोलिक समाज की दूसरी सबसे बड़ी आबादी रहती है, जिसमें केरल में रहने वाले कैथोलिक शामिल हैं जो पोप के समय से यहां रह रहे हैं। विकसित देशों से पुजारियों एवं संन्यासिनियों की कमी की वजह से भारी संख्या में भारतीय नागरिक रोमन कैथोलिक आर्डर से जुड़ गए हैं रोम में स्थित कैथोलिक चर्चा की संस्थाओं सहित ऐसी संस्थाओं के अंदर उच्च पदों पर आसीन होना शुरू कर दिया है। कैथोलिक समुदाय में भारत एवं भारतीय नागरिकों की छवि बहुत अच्छी है।

हालांकि भारत की आबादी में ईसाई (और इस प्रकार कैथोलिक) समुदाय की संख्या बहुत कम है, फिर भी होली सी ने पूरे विश्व एवं एशिया दोनों की दृष्टि से भारत के महत्व को हमेशा स्वीकार किया है। अब तक तीन पोप भारत के दौरे पर आ चुके हैं। भारत के दौरे पर आने वाले पहले पोप का नाम पोप पाल 4 था जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय यूकेरिस्ट कांग्रेस में भाग लेने के लिए 1964 में मुम्बई का दौरा किया था। पोप जान पाल द्वितीय ने फरवरी 1986 एवं नवंबर 1999 में भारत का दौरा किया था। उन्होंने एशिया के सिनाड ऑफ बिशप के समापन सत्र में भाग लिया जिसमें उन्होंने सिनाड पश्चात एपोस्टोलिक एगजोर्टेशन पर हस्ताक्षर किया एवं उसका विमोचन किया। धर्मगुरु पोप फ्रांसिस, जो अर्जेटीना से 76 वर्षीय जार्ज मारियो बर्गोगलियो हैं, को 13 मार्च 2013 को सुप्रीम पॉण्टिफ के रूप में चुना गया। आर्चबिशप पारोलिन का उद्घाटन महामहिम बर्टोनी के स्थान पर होली सी के नए राज्य सचिव के रूप में किया गया।

समय समय पर भारत की अनेक गणमान्य हस्तियों ने वेटिकन में पोप से मुलाकात की है। इनमें 1981 में स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी और सितंबर 1987 में श्री आई के गुजराल शामिल हैं। जून 2000 में इटली की अपनी द्विपक्षीय आधिकारिक यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पोप से मुलाकात की थी। धर्मगुरु पोप जान पाल द्वितीय के अप्रैल, 2005 में दुखद निधान पर, उप राष्ट्रपति श्री भैरों सिंह शेखावत ने उनके अंतिम संस्कार में भाग लिया था। कार्यक्रम कार्यान्वयन एवं सांख्यिकी राज्य मंत्री श्री ऑस्कर फर्नांडीस ने 24 अप्रैल 2005 को धर्मगुरु पोप बेनेडिक्ट 16 के दीक्षांत समारोह में भाग लिया। एक आधिकारिक शिष्टमंडल के साथ माननीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री श्री आस्कर फर्नांडीस ने 12 अक्टूबर 2008 को सिस्टर अलफोंसा के संत घोषणा समारोह में भाग लेने के लिए 10 से 13 अक्टूबर 2008 के दौरान वेटिकन का दौरा किया। माननीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री प्रो. पी के थॉमस के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने वेटिकन में कार्डिनल के रूप में सिरो-मालाबार चर्च के आर्चबिशप जॉर्ज एलेंचेरी की नियुक्ति पर इनवेस्टिचर सेरेमनी में भाग लेने के लिए 17-19 फरवरी 2012 के दौरान वेटिकन का दौरा किया। राज्य सभा के उप सभापति प्रो. पी जे कुरियन के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने वेटिकन में कार्डिनल के रूप में सिरो-मालाबार चर्च के प्रमुख के रूप में मेजर आर्चबिशप मार बसेलियोस क्लीमिस की नियुक्ति पर इनवेस्टिचर सेरेमनी में भाग लेने के लिए 24 नवंबर 2012 को वेटिकन का दौरा किया। 19 मार्च 2013 को पोप फ्रांसिस की नियुक्ति के अवसर पर राज्य सभा में माननीय उप सभापति प्रो. पी जे कुरियन द्वारा भारत का प्रतिनिधित्व किया गया।

27 अप्रैल 2014 को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ऑस्कर फर्नांडीस के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल ने वेटिकन में स्वर्गीय पोप जॉन पाल द्वितीय तथा गुग पोप जॉन (पोप जॉन 23) के संत घोषणा समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस शिष्टमंडल में खाद्य राज्य मंत्री श्री के वी थॉमस तथा एन एच आर सी के सदस्य न्यायमूर्ति सीरियाक जोसफ भी शामिल थे। उन्होंने समारोह के अंत में फ्रांस के धर्मगुरु पोप से मुलाकात की। यह एक दुर्लभ घटना थी जब दो पोप दो स्वर्गीय पोप के संयुक्त संत घोषणा समारोह के साक्षी बने।

वेटिकन के सेंट पीटर स्क्वेयर में 23 नवंबर 2014 को पोप फ्रांसिस द्वारा भारत के दो कैथोलिक पुजारियों अर्थात अनुमंत्रित फादर कुरियाकोस एलियास चावरा तथा अनुमंत्रित सिस्टर यूफ्रासिया को संत घोषित किया गया। इस समारोह के लिए राज्य सभा के माननीय उप सभापति श्री पी जे कुरियन ने एक भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया जिसमें केरल राज्य सरकार के कई मंत्री एवं संसद सदस्य भी शामिल थे।

पोप जॉन पाल द्वितीय स्वर्गीय मदर टेरेसा का हमेशा बहुत सम्मान करते थे। मदर टेरेसा के निधन के बाद पोप ने सत्यापन की परंपरागत प्रक्रिया को संस्वीकृत किया जिससे अंततः मदर को धन्य घोषित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। अनुमानतः 325,000 से अधिक लोगों की मौजूदगी में 19 अक्टूबर 2003 को पोप ने मदर टेरेसा को धन्य घोषित किया। पोप फ्रांसिस द्वारा इस डिक्री के अनुमोदन के बाद कि मदर टेरेसा ने दूसरा चमत्कार किया है, 18 दिसंबर 2015 को वेटिकन ने घोषणा की कि मदर टेरेसा को रोमन कैथोलिक चर्च के तहत संत घोषित किया जाएगा।

### उपयोगी संसाधन :

होली सी की वेबसाइट :

[http://www.va/phome\\_en.htm](http://www.va/phome_en.htm)

वेटिकन सिटी राज्य की वेबसाइट :

<http://www.vaticanstate.va/content/vaticanstate/en.html>

संयुक्त राष्ट्र में होली सी का स्थायी प्रेक्षक मिशन :

<http://www.holyseemission.org/>

भारत एवं नेपाल में अपोस्टोलिक ननसिएचर :

<http://apostolicnunciatureindia.com/> -

\*\*\*

जनवरी, 2016